खण्ड-440, अंक-1
बुधवार, 4 आश्विन, शक संवत् 1923
(26 सितम्बर, 2001 ई0)

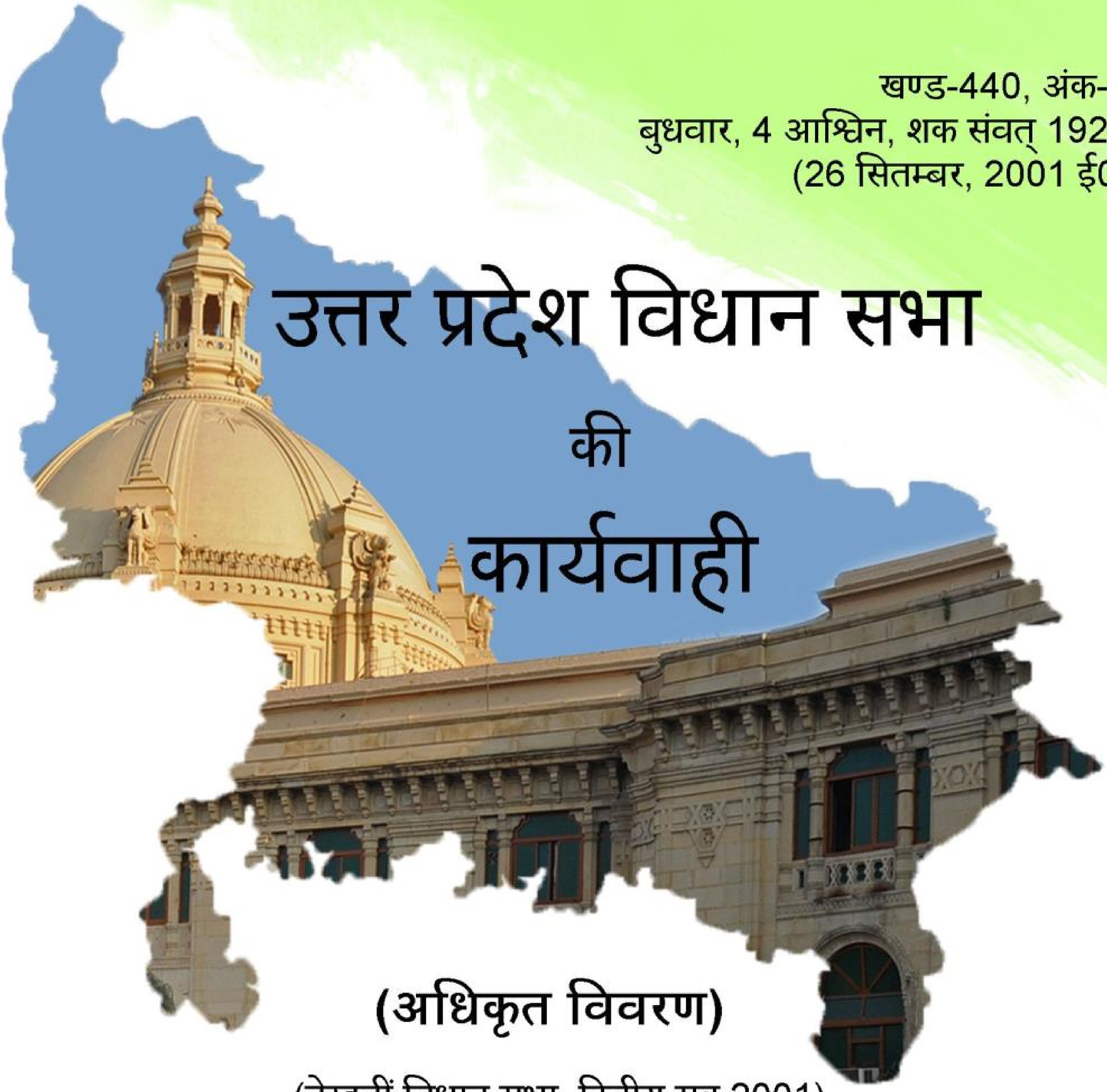

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(तेरहवीं विधान सभा, द्वितीय सत्र 2001)

खण्ड 440 में 3 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2001

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 पैसे, महसूल सहित रु0 724.25 पैसे |

कार्यवाही अनुभाग
विधान सभा, उ० प्र०

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
तेरहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची, महामहिम राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल की सूची	क–ठ
उपस्थित सदस्यों की सूची	ढ
राष्ट्रीय गीत	1
वर्तमान विधान सभा के सदस्य श्री राम औतार शाक्य के निधन पर शोकोद्गार ...	1–7
विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सुन्दर सिंह, श्री राम दास रविदास, श्री जगदीश प्रसाद, श्री राम लखन, श्रीमती कुदसिया बेगम, श्री बैजनाथ सिंह तथा श्री लीलवत सिंह के निधन पर शोकोद्गार	7–9
संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यूयार्क स्थित वर्ल्ड सेन्टर की बहुमंजिली इमारतों तथा वाशिंगटन स्थित रक्षा मुख्यालय पेंटागन पर हुए आतंकवादी हमले की घोर भर्त्सना तथा उक्त हमले में मृत व्यक्तियों, घायलों तथा सम्पत्ति की हुई हानि के सम्बन्ध में शोक प्रस्ताव (स्वीकृत)	10

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

(तेरहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची)

1–अब्दुल सलाम, श्री — प्रतापगढ़
2–अकबर हुसैन, श्री — मुरादाबाद
3–अक्षयवर लाल, श्री — बहराइच
4–अखिलेश कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
5–अजय कुमार पोइया, श्री — मथुरा
6–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री — गोण्डा
7–अजय राय, श्री — वाराणसी
8–अजित कुमार मेहरोत्रा, श्री — सीतापुर
9–अतीक अहमद, श्री — इलाहाबाद
10–अतुल कुमार, श्री — मेरठ
11–अनिल कुमार, श्री — बलिया
12–अनीस खां, श्री — पीलीभीत
13–अफरोज अली खां, श्री — रामपुर
14–अब्दुल खालिक, श्री — अलीगढ़
15–अब्दुल मन्नान, श्री — हरदोई
16–अमर मणि, श्री — महराजगंज
17–अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
18–अम्मार रिजवी, डा० — सीतापुर
19–अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
20–अरविन्द कुमार जैन, श्री — ललितपुर
21–अरिमर्दन सिंह, श्री — महोबा
22–अरुण प्रताप सिंह, श्री — सुल्तानपुर
23–अशोक कुमार, श्री — जौनपुर
24–अशोक कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
25–अशोक यादव, श्री — फिरोजाबाद
26–आचार्य रामदेव वैश्य, श्री — बाराबंकी
27–आनन्द प्रकाश, श्री — पडरौना
28–आर० के० चौधरी, श्री — लखनऊ
29–आर०के० सिंह पटेल, श्री — बांदा
30–आर्य राम शरन, श्री — हाथरस
31–इन्द्रजीत सरोज, श्री — इलाहाबाद
32–इन्द्रदेव सिंह, डा० — बिजनौर
33–इलम सिंह, श्री — सहारनपुर
34–उबैदुर्रहमान, श्री — गोण्डा
35–ओइमूवेश, स्वामी — बिजनौर
36–ओम प्रकाश, श्री — एटा
37–ओम प्रकाश गुप्त, श्री — सीतापुर
38–ओम प्रकाश सिंह, श्री — मिर्जापुर
39–कमला प्रसाद रावत, श्री — बाराबंकी
40–कमलेश कुमार सिंह, श्री — बलरामपुर
41–कल्याण सिंह, श्री — अलीगढ़
42–काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां, श्री — रामपुर
43–कासिम हसन, श्री — फतेहपुर
44–काशीनाथ, श्री — सुल्तानपुर
45–किशन लाल बघेल, सेठ — आगरा
46–कृपा शंकर सिंह, श्री — उन्नाव
47–कृष्ण पाल सिंह, श्री — कानपुर देहात
48–कृष्णा राज, श्रीमती — खीरी
49–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
50–केशो मेहरा, श्री — आगरा
51–कैलाश सिंह राजपूत, श्री — फर्रुखाबाद
52–कोविद कुमार, श्री — शाहजहांपुर
53–कौकब हमीद, श्री — मेरठ
54–गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री — आगरा
55–गंगा बख्श सिंह, श्री — उन्नाव
56–गंगा सिंह चौहान, श्री — हरदोई
57–गजेन्द्र कुमार मुन्ना, श्री — मेरठ
58–गणेश राजभर, श्री — गाजीपुर
59–गुलाब देवी, श्रीमती — मुरादाबाद
60–गोमती यादव, श्री — लखनऊ
61–गोरखनाथ पाण्डेय, श्री — भदोही
62–चन्द्र किशोर, श्री — महराजगंज
63–चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री — बहराइच
64–चेतराम, श्री — शाहजहांपुर
65–चौधरी नरेन्द्र सिंह, श्री — कानपुर देहात
66–चौधरी बाबू लाल, श्री — आगरा
67–चौधरी मस्तराम, श्री — उन्नाव
68–चौधरी लक्ष्मी नारायण, श्री — मथुरा

69–छब्बू पटेल, श्री — वाराणसी
70–छोटे लाल राजभर, श्री — बलिया
71–छोटे लाल वर्मा, डा० — महोबा
72–जगपाल, श्री — सहारनपुर
73–जगत पाल सिंह, मेजर — मुरादाबाद
74–जगदम्बिका पाल, श्री — बस्ती
75–जगदीश नारायण राय, श्री — जौनपुर
76–जगन प्रसाद गर्ग, श्री — आगरा
77–जटा शंकर, श्री — बहराइच
78–जन्मेजय सिंह, श्री — देवरिया
79–जय नारायन तिवारी, श्री — सुल्तानपुर
80–जयपाल सिंह, श्री — मेरठ
81–जय प्रकाश, श्री — गाजियाबाद
82–जय प्रकाश निषाद, श्री — देवरिया
83–जय प्रताप सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
84–जयवीर सिंह भदौरिया, श्री — इटावा
85–जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भइय्या, श्री — गोरखपुर
86–ज्ञानवती सिंह, डा० — अलीगढ़
87–ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री — महराजगंज
88–तारकेश्वर प्रसाद शुक्ल, श्री — गोरखपुर
89–तेजभान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
90–तोताराम, श्री — मुरादाबाद
91–दद्दू प्रसाद, श्री — बांदा
92–दयाशंकर, श्री — जालौन
93–दल बहादुर कोरी, श्री — रायबरेली
94–दलवीर सिंह, श्री — अलीगढ़
95–दिवाकर विक्रम सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
96–दीप लाल भारती, श्री — पडरौना
97–देवेन्द्र प्रताप, श्री — एटा
98–देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह, श्री — कानपुर देहात
99–धनराज यादव, श्री — सिद्धार्थनगर
100–धर्मपाल सिंह, श्री — बरेली
101–धर्मराज निषाद, श्री — अम्बेडकर नगर
102–नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा० — इलाहाबाद
103–नरेन्द्र सिंह, श्री — आजमगढ़
104–नरेन्द्र सिंह शिशौदिया, श्री — गाजियाबाद
105–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री — हरदोई
106–नवाब सिंह नागर, श्री — गाजियाबाद
107–नीरज चतुर्वेदी, श्री — कानपुर नगर
108–नेतराम सिंह, श्री — एटा
109–"पटेल" रामकुमार वर्मा, श्री — खीरी
110–परवेज हलीम खां, श्री — मेरठ
111–पीटर फैन्थम, श्री — नाम-निर्देशित सदस्य
112–पीतम राम, श्री — पीलीभीत
113–पूरन सिंह बुन्देला, श्री — ललितपुर
114–पूर्णमासी पंकज, डा० — भदोही
115–प्रदीप कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
116–प्रदीप कुमार, श्री — सहारनपुर
117–प्रभा द्विवेदी, श्रीमती — फर्रुखाबाद
118–प्रमोद कुमार, श्री — प्रतापगढ़
119–प्रेम प्रकाश सिंह, श्री — देवरिया
120–प्रेम लता कटियार, श्रीमती — कानपुर नगर
121–प्रेम स्वरूप पाठक, श्री — बदायूं
122–फतेह बहादुर, श्री — महराजगंज
123–फरीद महफूद किदवई, श्री — बाराबंकी
124–फागू, श्री — मऊ
125–बंश नारायण सिंह, श्री — भदोही
126–बचनूराम पटेल, श्री — वाराणसी
127–बच्चा पाठक, श्री — बलिया
128–बनवारी लाल दोहरे, श्री — फर्रुखाबाद
129–बांके लाल सोनकर, श्री — जौनपुर
130–बादशाह सिंह, श्री — हमीरपुर
131–बाबू राम, श्री — जालौन
132–बाबू लाल कुरील, श्री — उन्नाव
133–बाबू लाल कुशवाहा, श्री — बांदा
134–बाल चन्द्र मिश्र, श्री — कानपुर नगर
135–बालेश्वर त्यागी, श्री — गाजियाबाद
136–बावन सिंह, श्री — गोण्डा
137–बिजेन्द्र आर्य, श्री — मुजफ्फरनगर
138–बिन्दु लाल, श्री — गोण्डा
139–बिहारी लाल आर्य, श्री — झांसी
140–बी० आर० वर्मा, श्री — जौनपुर
141–बी० के० गुप्ता, श्री — पीलीभीत
142–बुनियाद हुसैन अंसारी, श्री — सीतापुर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

143–बेचन राम, श्री — गोरखपुर
144–भगवती प्रसाद, श्री — कानपुर देहात
145–भगवान सिंह शाक्य, श्री — बदायूं
146–भरत सिंह, श्री — बलिया
147–भाई लाल, श्री — मिर्जापुर
148–भोला शंकर मौर्य, श्री — बदायूं
149–मंगल सिंह सैनी, श्री — मुरादाबाद
150–मंजू, श्रीमती — बलिया
151–मंडलेश्वर सिंह, श्री — आगरा
152–मतेश चन्द्र सोनकर, श्री — इलाहाबाद
153–मथुरा प्रसाद, श्री — कानपुर देहात
154–मलखान सिंह, श्री — अलीगढ़
155–महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा — आगरा
156–महेन्द्र कुमार, श्री — बुलन्दशहर
157–महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डा० — वाराणसी
158–महेन्द्र प्रसाद निषाद, श्री — बांदा
159–महेन्द्र सिंह यादव, श्री — बुलन्दशहर
160–माया प्रसाद, श्रीमती — खीरी
161–मारकण्डेय चन्द, श्री — गोरखपुर
162–मिथिलेश कुमारी, श्रीमती — एटा
163–मुख्तार अंसारी, श्री — मऊ
164–मुन्ना लाल मौर्य, श्री — फतेहपुर
165–मुरलीधर, श्री — फतेहपुर
166–मुराद लारी, श्री — देवरिया
167–मुस्लिम, डा० — रायबरेली
168–मुहर सिंह अम्बाडी, श्री — इटावा
169–मोहम्मद मुकीम, श्री — सिद्धार्थनगर
170–यशपाल सिंह चौहान, श्री — अलीगढ़
171–यशवन्त, श्री — आजमगढ़
172–रंगनाथ मिश्र, श्री — भदोही
173–रंग बहादुर पटेल, श्री — इलाहाबाद
174–रघुराज प्रताप सिंह "राजा भईया", कुंवर — प्रतापगढ़
175–रघुवर दयाल वर्मा, श्री — फिरोजाबाद
176–रज्जन पाल सिंह, श्री — एटा
177–रणधीर सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
178–रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर — पडरौना
179–रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
180–रमेश राही, श्री — सीतापुर
181–रवीन्द्र पुण्डीर, प्रो० — मेरठ
182–रवीन्द्र शुक्ला, श्री — झांसी
183–राकेश त्यागी, श्री — बुलन्दशहर
184–राकेश धर त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
185–राकेश सोनकर, श्री — कानपुर नगर
186–राघव, श्री — सहारनपुर
187–राजधारी, श्री — बलिया
188–राजनाथ सिंह, श्री — बाराबंकी
189–राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
190–राजपाल सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
191–राजा गज़नफर अली खां, श्री — बिजनौर
192–राजा राम पाण्डेय, श्री — प्रतापगढ़
193–राजाराम पाल, श्री — कानपुर देहात
194–राजीव कुमार सिंह, श्री — बाराबंकी
195–राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री — प्रतापगढ़
196–राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री — फतेहपुर
197–राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
198–राजेश कुमार सिंह, श्री — मुरादाबाद
199–राधेश्याम, श्री — कानपुर देहात
200–राधेश्याम गुप्त, श्री — फतेहपुर
201–राम अचल राजभर, श्री — अम्बेडकर नगर
202–राम अवतार मिश्रा, श्री — शाहजहांपुर
203–राम आसरे पासवान, श्री — बस्ती
204–राम आसरे सिंह कुशवाहा, डा० — कानपुर नगर
205–राम चन्द्र मौर्य, श्री — मिर्जापुर
206–राम नक्षत्र, श्री — पडरौना
207–राम नरेश रावत, श्री — गाजियाबाद
208–राम नरेश यादव, श्री — आजमगढ़
209–राम नाथ, श्री — प्रतापगढ़
210–रामपाल राजवंशी, श्री — सीतापुर
211–रामपाल वर्मा, श्री — हरदोई
212–राम प्रताप सिंह, श्री — गोण्डा
213–राम प्रसाद चौधरी, श्री — बस्ती
214–राम बाबू हरित, डा० — आगरा
215–राम लखन, श्री — सुल्तानपुर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

216–राम ललित चौधरी, श्री — बस्ती
217–रामवीर उपाध्याय, श्री — अलीगढ़
218–राम शंकर पाल, श्री — उन्नाव
219–राम सखी, श्रीमती — अलीगढ़
220–राम सिंह, डा० — अलीगढ़
221–राम सिंह, श्री — बुलंन्दशहर
222–राम सेवक सिंह, श्री — इलाहाबाद
223–राम सेवक सिंह, श्री — बदायूं
224–राम स्वरूप शर्मा, श्री — मथुरा
225–राम हर्ष सिंह, श्री — सुल्तानपुर
226–रूप चौधरी, श्री — मेरठ
227–लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा० — मेरठ
228–लल्लू सिंह, श्री — फैजाबाद
229–लवकुश कुमार, श्री — बिजनौर
230–लालजी टण्डन, श्री — लखनऊ
231–लालजी वर्मा, श्री — अम्बेडकरनगर
232–लालमणि प्रसाद, श्री — बस्ती
233–लाल सिंह वर्मा, श्री — इटावा
234–लोकपति त्रिपाठी, श्री — मिर्जापुर
235–वहोरन लाल मौर्य, श्री — बरेली
236–विजय कुमार, श्री — गाजीपुर
237–विजय पाल सिंह, श्री — आगरा
238–विजय प्रकाश, श्री — इलाहाबाद
239–विद्या सागर गुप्ता, श्री — लखनऊ
240–विनय कुमार पाण्डेय "बिन्नू", श्री — गोण्डा
241–विभूति प्रसाद निषाद, श्री — आजमगढ़
242–विरेन्द्र सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
243–विरेन्द्र सिंह, श्री — वाराणसी
244–विरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री — बुलन्दशहर
245–विवेक कुमार सिंह, श्री — बांदा
246–वीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मुन्ना, श्री — शाहजहांपुर
247–वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री — एटा
248–वेद प्रकाश, श्री — बस्ती
249–वेद प्रकाश सिंह, एम०एस०, डा० — बिजनौर
250–शिव गणेश लोधी एडवोकेट, श्री — रायबरेली
251–शिव चरन प्रजापति, श्री — हमीरपुर
252–शिव पूजन राम, श्री — वाराणसी
253–शिव प्रताप शुक्ल, श्री — गोरखपुर
254–शिव प्रसाद, श्री — हरदोई
255–शिव बहादुर सक्सेना, श्री — रामपुर
256–शिव शंकर, श्री — बांदा
257–शिव सिंह चक, श्री — फिरोजाबाद
258–शिवाकान्त, श्री — प्रतापगढ़
259–शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री — महराजगंज
260–शेर बहादुर, श्री — अम्बेडकर नगर
261–श्याम देव राय चौधरी (दादा), श्री — वाराणसी
262–श्याम प्रकाश, श्री — हरदोई
263–श्याम सुन्दर, श्री — रायबरेली
264–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री — मथुरा
265–श्रीराम, श्री — मऊ
266–श्रीराम पाल, श्री — जालौन
267–संग्राम सिंह, श्री — बाराबंकी
268–संजय गर्ग, श्री — सहारनपुर
269–संदीप अग्रवाल, श्री — मुरादाबाद
270–सतीश जतारिया, श्री — झांसी
271–सतीश महाना, श्री — कानपुर नगर
272–सतीश शर्मा, श्री — बुलन्दशहर
273–सन्त, श्री — गोरखपुर
274–सन्त राम सिंह, श्री — जालौन
275–समरपाल सिंह, श्री — मेरठ
276–सरजीत सिंह डंग, डा० — मिर्जापुर
277–सरदार सिंह, श्री — मथुरा
278–सरवर अली खां, श्री — बाराबंकी
279–सरस्वती प्रताप सिंह, श्री — खीरी
280–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुंवर — मुरादाबाद
281–सिंहासन सिंह, श्री — गाजीपुर
282–सीमा द्विवेदी, श्रीमती — जौनपुर
283–सुखपाल पाण्डेय, श्री — बस्ती
284–सुखवीर सिंह पुण्डीर, श्री — सहारनपुर
285–सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव, श्री — देवरिया
286–सुन्दर लाल वर्मा, श्री — मेरठ
287–सुमन लता सिंह, श्रीमती — बरेली
288–सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — बरेली

289–सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
290–सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री — लखनऊ
291–सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री — लखनऊ
292–सुशील शाक्य, श्री — फर्रुखाबाद
293–सुशीला अग्रवाल, श्रीमती — मुजफ्फरनगर
294–सूर्य प्रताप शाही, श्री — देवरिया
295–सूर्य भान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
296–स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री — रायबरेली
297–हरपाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
298–हरिनारायण, श्री — बलिया
299–हरि शंकर तिवारी, श्री — गोरखपुर
300–हरि शंकर माहौर, श्री — अलीगढ़
301–हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव"हरीश जी", श्री — वाराणसी
302–हरीश चन्द्र गंगवार, श्री — बरेली
303–हीरालाल गौतम, श्री — आजमगढ़
304–हुकुम सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
305–होराम सिंह, श्री — बुलन्दशहर
306 से 404 रिक्त

विधान सभा उत्तर प्रदेश

मध्यप्रदेश विधान सभा

महामहिम राज्यपाल

श्री विष्णुकान्त शास्त्री

मंत्रि-परिषद्

क्र० सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्ट फोलियो)
1	श्री राजनाथ सिंह (मुख्य मंत्री)	सामान्य प्रशासन, गृह, गोपन, नियुक्ति, कार्मिक, सूचना, निर्वाचन, विधायी, राज्य सम्पत्ति, नागरिक उड्डयन, औद्योगिक विकास, संस्कृति, पूर्त धर्मस्व प्रोटोकाल पर्यटन एवं ऊर्जा ।
2	श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी"	वित्त
3	श्री लालजी टण्डन	आवास, नगर विकास
4	श्री ओम प्रकाश सिंह	सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, उच्च शिक्षा, लोक निर्माण
5	श्री दिवाकर विक्रम सिंह	कृषि
6	डा० नरेन्द्र कुमार सिंह गौर	गन्ना विकास, चिकित्सा शिक्षा
7	श्री चौधरी नरेन्द्र सिंह	खाद्य एवं रसद
8	श्री रमापति शास्त्री	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
9	श्री मारकण्डेय चन्द	लघु सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
10	श्री राजधारी सिंह	वन
11	डा० नैपाल सिंह	माध्यमिक शिक्षा, भाषा
12	श्री सूर्य प्रताप शाही	आबकारी
13	श्री "पटेल" राम कुमार वर्मा	सहकारिता
14	श्रीमती प्रेमलता कटियार	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण ।
15	श्रीमती प्रभा द्विवेदी	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार प्राविधिक शिक्षा ।
16	श्री सरदार सिंह	मातृ एवं शिशु कल्याण, परिवार कल्याण ।
17	श्री राधेश्याम गुप्ता	न्याय
18	श्री बाबू राम, एम०काम०	संस्थागत वित्त एवं व्यापार कर ।
19	श्री हुकुम सिंह	संसदीय कार्य, स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क, पंजीयन एवं मनोरंजन कर ।
20	श्री शिव प्रताप शुक्ल	ग्राम्य विकास
21	श्री बच्चा पाठक	पर्यावरण, अतिरिक्त ऊर्जा ।
22	श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही	राजस्व
23	श्री हरिशंकर तिवारी	वस्त्रोद्योग एवं रेशम उद्योग
24	श्री मण्डलेश्वर सिंह	भूमि विकास एवं जल संसाधन परती भूमि विकास ।
25	श्री राजा महेन्द्र अरिदमन सिंह	परिवहन

उत्तर प्रदेश विधान सभा

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
26	श्री चौधरी लक्ष्मी नारायण	कारागार
27	श्री श्याम सुन्दर शर्मा	होमगार्ड्स, राजनैतिक पेंशन, नागरिक सुरक्षा ।
28	श्री धनराज यादव	उद्यान
29	श्री शिवाकान्त ओझा	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स ।
30	श्री सरस्वती प्रताप सिंह	लघु उद्योग
31	श्री फागू चौहान	पशुधन एवं मत्स्य
32	श्री राजाराम पाण्डे	खादी एवं ग्रामीण उद्योग
33	कुंवर श्री रघुराज प्रताप सिंह	खेलकूद, युवा कल्याण, प्रान्तीय विकास दल ।
34	श्री जय नरायन तिवारी	सार्वजनिक उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	श्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय	पंचायती राज
2	श्री धर्मपाल सिंह	श्रम
3	श्री जयपाल सिंह	दुग्ध विकास
4	श्री राधेश्याम	अम्बेडकर ग्राम विकास एवं सेवायोजन ।
5	श्री राजा गजनफर अली	अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज ।
6	श्री बालेश्वर त्यागी	बेसिक शिक्षा
7	श्री भगवान सिंह शाक्य	राष्ट्रीय एकीकरण एवं कार्यक्रम कार्यान्वियन ।
8	श्री सुरेश कुमार खन्ना	नियोजन

राज्य मंत्री

क्र०सं०	नाम	विभाग या विषय
1	श्री सुखपाल पाण्डेय	परिवहन
2	श्री शिवेन्द्र सिंह	आवास
3	श्री रंगनाथ मिश्र	गृह
4	श्री मंगल सिंह सैनी	सिंचाई
5	श्री सतीश शर्मा	ऊर्जा
6	श्री राम प्रसाद कमल	लोक निर्माण
7	श्री राकेश त्यागी	सहकारिता
8	श्री सतीश महाना	नगर विकास

उत्तर प्रदेश विधान सभा

क्र०सं०	नाम	विभाग या विषय
9	श्री शिव शंकर सिंह	सिंचाई
10	श्री राकेश धर त्रिपाठी	लोक निर्माण
11	श्री लल्लू सिंह	ऊर्जा
12	श्री वीरेन्द्र सिंह	परिवहन
13	श्री विवेक कुमार सिंह	कृषि
14	श्री संग्राम सिंह	कृषि
15	श्री वंश नारायण पटेल	खाद्य एवं रसद
16	श्री फतेह बहादुर सिंह	औद्योगिक विकास
17	श्री हरि नारायण राजभर	ग्रामीण अभियंत्रण एवं लघु सिंचाई।
18	डा० राम बाबू हरित	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
19	श्री राम आसरे पासवान	लघु सिंचाई एवं ग्रामीण अभियंत्रण
20	श्री राजेन्द्र सिंह पटेल	ग्राम्य विकास
21	श्री चन्द्र किशोर	माध्यमिक शिक्षा, भाषा
22	श्री यशवन्त सिंह	आबकारी
23	श्री दलवीर सिंह	गन्ना विकास
24	श्री रामचन्द्र बाल्मीकी	गन्ना विकास
25	श्री दल बहादुर कोरी	समाज कल्याण
26	डा० शीमा रिजवी	चिकित्सा शिक्षा
27	श्रीमती गुलाब देवी	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार।
28	श्री गंगा बख्श सिंह	संस्थागत वित्त एवं व्यापार कर
29	श्री राम आसरे कुशवाहा	वन
30	श्री रामपाल राजवंशी	पर्यावरण, अतिरिक्त ऊर्जा
31	श्री बहोरन लाल मौर्य	राजस्व

उत्तर प्रदेश सभा

क्र०सं०	नाम	विभाग या विषय
32	श्री बिहारी लाल आर्य	खाद्य एवं रसद
33	श्री राम लखन पासी	समाज कल्याण
34	श्री श्रीराम सोनकर	संस्कृति एवं पूर्त धर्मस्व
35	श्री विनय कुमार पाण्डेय	कारागार
36	श्री वेद प्रकाश	होमगार्ड्स, राजनैतिक पेंशन, नागरिक सुरक्षा
37	डा० अरविन्द कुमार जैन	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
38	श्री अमरमणि त्रिपाठी	संस्थागत वित्त एवं व्यापार कर
39	श्री प्रेम प्रकाश सिंह	सहकारिता
40	श्री जितेन्द्र कुमार जायसवाल	खेलकूद, युवा कल्याण, प्रान्तीय विकास दल
41	श्री मुन्ना लाल मौर्य	खाद्य एवं रसद

नेता विरोधी दल

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री केशरी नाथ त्रिपाठी

उपाध्यक्ष

रिक्त

सचिव

श्री राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय

अधिष्ठाता मण्डल

1–डा० सरजीत सिंह डंग, सदस्य, विधान सभा (मिर्जापुर),
2–श्री बाल चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा (कानपुर नगर),
3–श्री रवीन्द्र शुक्ल, सदस्य, विधान सभा (झांसी),
4–श्री चन्द्र मणि कान्त सिंह, सदस्य, विधान सभा (बहराइच),
5–श्री महेन्द्र सिंह यादव, सदस्य, विधान सभा (बुलन्दशहर),
6–श्री केशो मेहरा, सदस्य,विधान सभा (आगरा),
7–श्री जगदीश नारायण राय, सदस्य,विधान सभा (जौनपुर),
8–डा० अम्मार रिजवी, सदस्य, विधान सभा (सीतापुर)
9–श्री लालजी वर्मा, सदस्य, विधान सभा (अम्बेडकर नगर),
10–श्री कौकब हमीद, सदस्य, विधान सभा (बागपत) ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

विधान सभा प्रदेश उत्तर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

(तेरहवीं विधान सभा)

बुधवार, दिनांक 26 सितम्बर, 2001

निम्नलिखित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे :—

1–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री — गोण्डा
2–अतीक अहमद, श्री — इलाहाबाद
3–अब्दुल खालिक, श्री — अलीगढ़
4–अशोक यादव, श्री — फिरोजाबाद
5–आर० के० चौधरी, श्री — लखनऊ
6–ओम प्रकाश गुप्त, श्री — सीतापुर
7–कमला प्रसाद रावत, श्री — बाराबंकी
8–कल्याण सिंह, श्री — अलीगढ़
9–काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां, श्री — रामपुर
10–गणेश राजभर, श्री — गाजीपुर
11–जगदम्बिका पाल, श्री — बस्ती
12–जयपाल सिंह, श्री — मेरठ
13–देवेन्द्र प्रताप, श्री — एटा
14–देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह, श्री — कानपुर देहात
15–धनराज यादव, श्री — सिद्धार्थ नगर
16–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री — हरदोई
17–फतेह बहादुर, श्री — महराजगंज
18–बादशाह सिंह, श्री — हमीरपुर
19–बिजेन्द्र आर्य, श्री — मुजफ्फरनगर
20–बी० आर० वर्मा, श्री — जौनपुर
21–भोला शंकर मौर्य, श्री — बदायूं
22–महेन्द्र सिंह यादव, श्री — बुलन्दशहर
23–रवीन्द्र पुण्डीर, प्रो० — मेरठ
24–राजधारी, श्री — बलिया
25–राजपाल सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
26–राधेश्याम, श्री — कानपुर देहात
27–राम लखन, श्री — सुल्तानपुर
28–रूप चौधरी, श्री — मेरठ
29–लल्लू सिंह, श्री — फैजाबाद
30–लालजी टण्डन, श्री — लखनऊ
31–विजय कुमार, श्री — गाजीपुर
32–विनय कुमार पाण्डेय, "विन्नू", श्री — गोण्डा
33–वेद प्रकाश, श्री — बस्ती
34–श्याम देव राय चौधरी (दादा), श्री — वाराणसी
35–श्याम प्रकाश, श्री — हरदोई
36–सन्त राम सिंह, श्री — जालौन
37–समरपाल सिंह, श्री — मेरठ
38–सुखपाल पाण्डेय, श्री — बस्ती
39–सूर्य प्रताप शाही, श्री — देवरिया
40–हरपाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

बुधवार दिनांक 26 सितम्बर, 2001

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11.00 बजे अध्यक्ष श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई ।)

राष्ट्रीय गीत

श्री अध्यक्ष–

वर्ष 2001 के विधान सभा में दूसरे सत्र में आप सबका स्वागत है । इस सत्र की कार्यवाही हम "वन्दे मातरम्" से प्रारम्भ करेंगे । सभी से अनुरोध है कि खड़े होकर वन्दे मातरम् का गान करें ।

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

सुजलाम् ।

सुफलाम् ।

मलयज शीतलाम् ।

शस्य श्यामलाम् ।

मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

शुभ्र–ज्योत्सना-पुलकित-यामिनीम्

फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्

सुहासिनीम्

सुमधुर भाषिणीम्

सुखदाम्

वरदाम्

मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

श्री अध्यक्ष–

(माननीय मुख्य मंत्री का नाम पुकारे जाने पर)

वर्तमान विधान सभा के सदस्य श्री राम औतार शाक्य के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री राजनाथ सिंह)–

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे सदन को अत्यन्त दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि सदन के वर्तमान सदस्य श्री राम औतार शाक्य जी का निधन दिनांक 24 सितम्बर, 2001 को 53 वर्ष की आयु में हो गया । श्रीमन् श्री राम औतार शाक्य 13 जून, 1948 को जनपद मैनपुरी के उजागरपुर ग्राम में पैदा हुए थे । श्रीमन् विधि के विधान को कोई टाल नहीं सकता है जो आया है उसे जाना है लेकिन जब किसी की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है तो स्वाभाविक रूप से जिनका आत्मीय रिश्ता रहता है उन्हें वेदना

होती है । श्री राम औतार शाक्य जी से मैं बहुत वर्षों से परिचित था । राजनैतिक जगत में उनकी जो भूमिका रही है उससे भी परिचित रहा हूं । लेकिन उत्तर प्रदेश की इस विधान सभा में पिछले दो सत्रों में उनकी गतिविधियों को देखने का मुझे अवसर प्राप्त हुआ है । मैं यह कह सकता हूं कि विधायी मामलों में उन्होंने महारत हासिल की थी किसी भी विषय पर वह अपने विचार बहुत ही तर्कसंगत तरीके से प्रस्तुत करते थे । उन्होंने बी० ए० एल० एल० बी० की शिक्षा प्राप्त की थी जनपद के जाने माने अधिवक्ता भी थे । भोगांव विधान सभा क्षेत्र से दो बार इस विधान सभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए थे । कई आन्दोलनों में श्री राम औतार शाक्य जी जेल भी गये । बराबर समाज की अंतिम सीढ़ी पर बैठे हुए लोगों की समस्याओं को लेकर संघर्ष करते रहे ।

सहकारिता आन्दोलन से भी इनका जुड़ाव था । उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव यूनियन के वह प्रशासक भी रहे हैं । इसी विधान सभा की याचिका समिति के भी वह सभापति रहे हैं । विधान सभा की कार्यवाही में उनका सक्रिय योगदान रहा है । उससे आप भी परिचित हैं यह पूरा सदन भी अच्छी तरह से परिचित है । समाज सेवा के अतिरिक्त पठन-पाठन में भी उनकी विशेष अभिरुचि रही है । उनके निधन से केवल मैनपुरी जनपद की ही अपूरणीय क्षति नहीं हुई है बल्कि मैं मानता हूं कि पिछड़े दलितों के लिये संघर्ष करने वाले एक बहुत बड़े नेता को हमने खोया है । उससे प्रदेश की एक बहुत बड़ी क्षति हुई है । जब उनके निधन का समाचार मुझे प्राप्त हुआ उस समय मैं राजधानी में नहीं था बाहर था श्रीमन् तुरन्त मैंने जिला प्रशासन को निर्देश दिये कि पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनकी अन्त्येष्टि की जानी चाहिये । मैं इस सदन को भी सूचित करना चाहता हूं कि श्री राम औतार शाक्य जी की अन्त्येष्ठि पूरे राजकीय सम्मान के साथ की गई । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह स्वर्गीय शाक्य जी की आत्मा को चिरशान्ति दे तथा उनके दुःखी परिवार को इस महान कष्ट को सहन करने की क्षमता भी प्रदान करे । श्रीमन्, मैं आपसे निवेदन करूंगा कि मेरी व मेरे दल की तथा इस सदन की शोक सम्वेदनाएं उनके परिवार तथा अन्य शुभचिन्तकों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

* श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, आज हम बहुत ही दुःख की बेला में यहां पर बैठे हैं और यह अतिशयोक्ति नहीं होगी कि श्री राम औतार शाक्य जी इस विधान सभा के गौरवमयी प्रतिभा थे और अपनी वाक पटुता, मेधा और प्रतिभा का पूरे तरीके से प्रदेश की जन समस्याओं को लेकर समय-समय पर जिस बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करते थे, वह अपने में एक अनोखा था । श्री राम औतार शाक्य जी 53 वर्ष की आयु में ही हमारे बीच से चले गये । उनके निधन से केवल इस सदन का ही नहीं बल्कि समूचे पिछड़े वर्ग को आघात पहुंचा है क्योंकि श्री शाक्य जी पिछड़े वर्गों की समस्याओं को लेकर के समय समय पर जिस तर्क संगत तरीके से उनकी बात प्रस्तुत करते थे, लड़ाई लड़ते थे । यही नहीं वे अच्छे अधिवक्ता भी थे और 1980 से मैं उनको व्यक्तिगत रूप से भी जानता था । अधिवक्ता के साथ ही साथ चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व में लोक दल पार्टी से उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी और समय-समय पर किसानों की समस्याओं से, गरीबों की समस्याओं से, पिछड़ों की समस्याओं से संघर्ष करते रहे । इन्हीं संघर्षों के दौरान अनेकों बार जेल यात्राएं भी कीं । पहली बार 1991 में जब वे इस विधान सभा में सदस्य निर्वाचित होकर पहुंचे तो उन्होंने व्यवहारिक रूप में जो जंग गरीबों की, किसानों की, मजदूरों की, खेत खलिहान में काम करने वाले कमेरों की, व्यवहारिक धरती पर की थी ।

---

* वक्ता ने भाषअण का पुनर्वीक्ष्ण नहीं किया ।

सदन के अन्दर उसके लिये मजबूती से वकालत करते थे । उन्हें बीच में उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव यूनियन का प्रशासक बनने का मौका मिला और अच्छे प्रशासक के अन्दर जो गुण होने चाहिए जो प्रशासक की क्षमता होनी चाहिए वह भी उनमें भरपूर देखी गई और इसके साथ-साथ इस सदन में हमारे सरीखे तमाम ऐसे माननीय सदस्य जानते हैं कि राम औतार शाक्य जी लगभग हर मुद्दे पर बहस करते थे चर्चा में भागीदारी चाहे वह संकल्प के माध्यम से, चाहे नियमों में प्रश्नों को उठाने के माध्यम से हो, वह बड़ी तैयारी के साथ, मनोयोग और लगन के साथ सदन में अपनी प्रस्तुती करते थे । हमारे तमाम नये माननीय सदस्य उनकी इस तैयारी से उनकी बात की प्रस्तुती से कुछ सीखने का काम करते थे हम जानते हैं कि यह जो प्रतिभा हमारे बीच से उठी है इसकी भरपाई तो नहीं हो सकती है, श्रीमन् वह समाजवादी आन्दोलन से जुड़े रहे लेकिन पूरे बहुजन की आवाज को समय-समय पर उठाने का काम उन्होंने किया । वह जब सदन में अपनी बात प्रस्तुत करते थे तो उनकी बात की प्रस्तुती से कभी पार्टी विशेष का उन पर बैनर चस्पा नहीं होता था । वह अपनी प्रतिभा के माध्यम से प्रदेश के जनहित में, बहुत सी समस्याओं को, बहुत सी बातों को मजबूत आवाज के साथ सदन में प्रस्तुत करते रहे । वह केवल पार्टी विशेष के नहीं बल्कि इस पूरे सदन का कहें तो अतिशयोक्ति न होगी, एक बहुत अच्छे प्रतिभावन, वाकपटु, विद्वान एवं संसदीय कार्य के प्रखर ज्ञाता के रूप में अपनी पहचान बनाई है ऐसे अच्छे प्रतिभाशाली विद्वान माननीय सदस्य के निधन से हमारे समूचे सदन को गहरा आघात पहुंचा है । हम सभी उनके निधन पर बहुत ही दुखी हैं हम अपनी ओर से, पूरे विपक्ष की ओर से, अपने श्रद्धा-सुमन उनके प्रति अर्पित करते हैं एवं माननीय अध्यक्ष जी से निवेदन करते हैं कि हमारी शोक संवेदनायें शाक्य जी के शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

होमगार्डस, राजनैतिक पेंशन, नागरिक सुरक्षा मंत्री (श्री श्याम सुन्दर शर्मा)–

आदरणीय अध्यक्ष जी, श्री राम औतार शाक्य जी मैनपुरी जनपद से सदस्य, विधान सभा थे । उनके सम्बन्ध में अचानक निधन की सूचना प्राप्त हुई तो बड़ा गहरा आघात लगा । आदरणीय नेता, सदन और नेता, प्रतिपक्ष ने जो शोक संवेदनाएं प्रकट की हैं, मैं अपने आप को उनसे सम्बद्ध करता हूं । निश्चित रूप से श्री राम औतार शाक्य जी प्रज्ञा के धरोहर और निर्माण उनकी सोच थी । समय-समय पर जो उन्होंने विद्धता के माध्यम से विधान सभा में अपनी वाणी, अपने मुखार बिन्दु से गरीबों का मार्ग प्रशस्त करने के लिए उठायी वह निश्चित रूप से उनके योगदान के रूप में मानी जायेगी । कोआपरेटिव से लेकर याचिका समिति तक उन्होंने प्रदेश के लिए संघर्ष किया । मान्यवर, निश्चित रूप से जो सराहनीय और उचित आदमी के बिछोह से कष्ट होता वह बड़ा कष्टदायक होता है । श्री शाक्य जी बहुत अच्छे व्यक्ति थे और रचना उनका शौक था । पठन पाठन उनका शौक था । तुलसी दास जी ने अपनी रचना में लिखा भी है कि–"बिछुड़त एक प्राण हर लेही"

तो उनका बिछोह प्राण हर लेने के समान है । हम अपनी तथा अपने दल की शोक संवेदना प्रकट करते हैं और प्रभु बांके बिहारी से यह प्रार्थना करते हैं उनके परिवार को सम्बल और शक्ति दे ।

* श्री प्रमोद कुमार–

मान्यवर, सहसा यह विश्वास कर पाना कठिन है कि हमारे बीच शाक्य जी नहीं रहे । मान्यवर, काल का यह क्रूर नियम है कि जो आता है उसे जाना पड़ता है । वह एक अत्यन्त मिलनसार इंसान थे

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

और एक अच्छे दोस्त भी थे । विधान सभा की कार्यवाही साक्षी रहेगा कि वे एक विलक्षण प्रतिभा के धनी थे । नियमावली का उन्हें बहुत अच्छा ज्ञान था जो कि बहुत कम सदस्यों को होता है । मुझे याद है कि जब वे नियम-300 तथा 301 में अपनी बात रखते तो निसंदेह उनकी ऊंगलियां वहीं पड़ती जहां नियमावली में पड़नी चाहिए । कई अवसरों पर यह देखा गया कि जब चर्चा होती थी तो शाक्य जी बड़ी अच्छी चर्चा किया करते थे । ऐसी स्थिति में उनका जाना बहुत दुखपूर्ण है । मैं अपनी तथा अपने दल की संवेदनाएं प्रकट करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी तथा हमारे दल की शोक संवेदनाएं उनके परिवारजन तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

खादी एवं ग्रामीण उद्योग मंत्री (श्री राजाराम पाण्डेय)-

मान्यवर, आज श्री राम औतार शाक्य जी इस सदन के सदस्य नहीं रहे । वह अब हम लोगों के बीच में नहीं है । मान्यवर, इस सदन में वे 1991 और 1996 में दो बार इस सदन के सदस्य रहे । जब यह खबर हम लोगों को मिली कि श्री शाक्य जी इस दुनिया में नहीं रहे तो मान्यवर, बड़ा आघात हुआ, और मुझे आज भी अहसास हो रहा है कि शाक्य जी इस सदन में अनुपस्थित हैं लेकिन कहीं न कहीं होंगे । लेकिन सत्य तो यह है कि वे न सदन में हैं और न बाहर हैं । उनका शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया है । हमें भी उनके नजदीक रहने का मौका मिला वे जिस तरह से हम लोगों को स्नेह करते थे, पिछड़ों की लड़ाई तर्कसंगत नियमानुसार लड़ते थे, हमारे सदन और पिछड़ी जाति का एक परिवार की लड़ाई लड़ने वाले हमारे शाक्य जी नहीं रहे । यह अपूर्णनीय क्षति है और यह पूरी नहीं की जा सकती । उनके निधन से उनके परिवार में शोक व्याप्त है । मान्यवर, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि मेरी तरफ से, मेरे दल की तरफ से, उनके शोकसंतृप्त परिवार को मेरी शोक संवेदना पहुंचाने की कृपा करें ।

सार्वजनिक उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास मंत्री (श्री जय नरायन तिवारी)-

मान्यवर, काल का प्रवाह अपनी गति से चलता रहता है और आज उसी के द्वारा हमारे ही बीच रहे हमारे इस विधान सभा के हमारे ही एक माननीय सदस्य का अभी 24 तारीख को असामयिक निधन हुआ । उस संदर्भ में जो शोकोद्गार माननीय नेता सदन और माननीय नेता प्रतिपक्ष और भी पार्टियों के नेताओं ने प्रकट किये हैं, मैं अपने को और अपने दल को उससे सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर जाने का दिन सबका है लेकिन कुछ के जाने से उनके परिवार, कुछ के जाने से जनपद और कुछ के जाने से प्रदेश और देश रोता है । श्री शाक्य जी अपने जनपद मैनपुरी के एक बहुत ही स्थापित और ख्यातिप्राप्त अधिवक्ता थे । विधि के क्षेत्र में गरीबों, पिछड़ों, दलितों सबके लिए उनके दरवाजे लगातार खुले रहते थे और उनको न्याय के संदर्भ में न्याय के सिलसिले में पूरा सहयोग करते थे । हमें और इस सदन को इस बात की खुशी है कि एक अधिवक्ता के नाते ही विधान सभा की कार्यवाही में एक ऐसी रुचि उन्होंने स्थापित की थी और एक ऐसा अपना नाम छोड़ा था सदन की कार्यवाही के प्रति, सदन के नियमों के प्रति और अन्य समितियों के संदर्भ में उनके अध्यक्ष के रूप में उनके सभापति के रूप में उन्होंने एक अपनी निष्ठा और छाप छोड़ी है । उन्होंने हम सभी के लिए आगामी आने वाले दिनों में एक परम्परा कायम की है । उनका हम सभी को अनुसरण करना चाहिए । मैं इन्हीं शब्दों के साथ उनके असामयिक निधन पर अपनी शोक संवेदना प्रकट करते हुए आपसे गुजारिश करूंगा कि आप अपने माध्यम से माननीय श्री शाक्य जी के शोक संतृप्त परिवार को हम सभी की संवेदनाएं प्रस्तुत करने की कृपा करेंगे ।

* श्री कौकब हमीद–

मान्यवर, माननीय राम औतार शाक्य जी पिछले सदन में पूरे टाइम इतने ऐक्टिव रहे कि लगता नहीं था कि इस बार वे हमारा साथ नहीं देंगे । पूरे वक्त चाहे बजट पर बोलना हो, तीन-तीन, चार-चार बजटों पर पिछले सदन में उन्होंने भाषण दिया । मान्यवर, कम ही लोग इतने ज्ञाता है नियमों के और उन्होंने अपनी एक छाप यहां पर छोड़ी । इनके निधन से मैनपुरी जनपद में ही नहीं पूरे प्रदेश में एक कमी हमेशा रह जाएगी । एक ऐसा आदमी जो इंसानियत के लिए काम करता था और सदन के वे एक अच्छे वक्ताओं में थे, जो याद रखे जाएगें और कार्यवाही इस बात की साक्षी होगी । मैं अपनी पार्टी और अपनी तरफ से गुजारिश करूंगा कि हमारी शोक-संवेदनायें पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव–

मान्यवर, इस सदन के वर्तमान सदस्य श्री राम औतार शाक्य जी आज हम लोगों के बीच नहीं रहे उनका निधन 24 सितम्बर, 2001 को हो गया ।

मान्यवर, श्री शाक्य जी के निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और अन्य दलों के माननीय नेताओं ने जो विचार व्यक्त किये है, मैं अपने आपको उससे सबद्ध करता हूं । मान्यवर, आज यह सम्पूर्ण सदन श्री शाक्य जी के निधन से बेहद दुःखी है । वे दूसरी बार इस सदन में निर्वाचित होकर आये थे । इस बार सदन में मुझे उनका सान्निध्य प्राप्त हुआ । मैने देखा कि इस सदन में प्रस्तुत ऐसा कोई विधेयक नहीं रहा जिस पर उन्होंने अपने संशोधनों के माध्यम से अपना विचार न रखा हो । प्रत्येक बजट सत्र के दौरान विभिन्न विभागों के अनुदान की मांगों पर कटौती के प्रस्ताव के जरिये उन्होंने बराबर अपने पांडित्यपूर्ण एवं संगत विचार रखने का काम किया ।

माननीय शाक्य जी संसदीय नियमों के ज्ञाता तथा प्रखर वक्ता थे उनके निधन से जनपद मैनपुरी की ही अपूर्णीय नुकसान नहीं हुई हैं बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश की राजनीति में रिक्तता आई हैं जिसकी भरपाई निकट भविष्य में नजर नहीं आती है । आज उनके असामयिक निधन से पूरा सदन दुखी है । मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से शोक संवेदना व्यक्त करता हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि हमारी शोक संवेदनायें शोक संतृप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

(श्री अध्यक्ष द्वारा माननीय नेता समता पार्टी, माननीय नेता लोकदल, माननीय नेता समाजवादी पार्टी को पुकारे जाने पर एवं किसी के खड़े न होने पर)

श्री अध्यक्ष–

माननीय नेता अपना दल ।

*श्री अब्दुल सलाम–

माननीय अध्यक्ष जी आज सदन ने एक बहुमूल्य नेता खो दिया । नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष और नेता कांग्रेस, और अन्य दलों के नेताओं ने जो अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है अपने को उससे सम्बद्ध करते हुए आप से गुजारिश करता हूं कि हमारी तरफ से और दल की तरफ से शाक्य जी के परिवार को शोक संवेदनाएं पहुंचाने का कष्ट करें ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

श्री रघुवर दयाल वर्मा–

मान्यवर, माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और अन्य दलों के नेताओं ने माननीय शाक्य जी के निधन पर जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं माननीय शाक्य जी बहुत साधारण किसान के परिवार में पैदा हुए थे और उन्होंने शिक्षा प्राप्त करने के बाद अपना सब कुछ अपना जीवन राजनीति की सेवा, किसान की सेवा में लगा दिया । जब विधान सभा में पहली बार चुनकर आये थे 1991 में इस सदन में उन्हें पहली बार बैठने का अवसर मिला । 1996 में वे दुबारा हमारे साथ रहे । मैंने देखा वे नियमों के अन्तर्गत जब भी अपने विचार व्यक्त करने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने उत्तर प्रदेश के किसानों के बारे में उत्तर प्रदेश के जनजीवन के बारे में अपने विचार व्यक्त किये । उससे प्रदेश की बहुत बड़ी सेवा हुई । श्रीमन् आज उनके परिवार की जो हालत है और जिस प्रकार से इस युग में इस बड़ी लम्बी-चौड़ी बीमारी से उनका देहान्त हुआ उससे किसानों ने अपने बीच से एक जुझारू कार्यकर्ता खो दिया है । श्रीमन्, मैनपुरी जनपद में और आसपास के जनपदों में उन्होंने जो किसानों की सेवा की है उसमें एक रिक्तता का स्थान पैदा हुआ है । इन शब्दों के साथ मैं उनके प्रति अपने शोकोद्गार व्यक्त करते हुए आपसे अनुरोध करूंगा कि हमारी संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

डा० सरजीत सिंह डंग–

मान्यवर, माननीय नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष एवं अन्य दलों के माननीय नेतागण ने जो विचार प्रकट किये हैं उससे मैं अपने आपको सम्बद्ध करते हुए राम औतार शाक्य जी के लिए यह कह सकता हूं कि–

बड़े शौक से सुन रहा था जमाना,

तुम्हीं सो गये दास्तां कहते-कहते ।

जिन्होंने बजट सत्र में उनके करीब बैठकर उनको सदन की कार्यवाही में बोलते देखा था उनको हठात् विश्वास नहीं हुआ होगा कि सर्वश्रेष्ठ सक्रिय सदस्य इस बार विधान सभा में हम सब के बीच उपस्थित नहीं है । माननीय शाक्य जी का संसदीय प्रक्रिया और नियमावली का ज्ञान अपने विचारों को प्रकट करने का ढंग, समाज की समस्याओं पर उनकी पकड़, उनका जुझारूपन जब स्मरण आता है तो सच में लगता है कि इस सदन का, इस प्रदेश का बहुत बड़ा अहित उनके न रहने से हो गया है, एक शून्य बना है । नये सदस्यों के लिए तो वह आदर्श थे । जिस प्रकार से विषयों का अध्ययन करके आते थे, जिस सूझबूझ से अपनी बात को रखते थे, मैं समझता हूं कि हम सब को कभी कभी उनसे सीखने का अवसर प्राप्त होता था । अधिकांश उनके उठाये हुए मामले समाज के उस वर्ग के रहते थे जो कम सौभाग्यशाली हैं, गरीब हैं, पिछड़े और अशिक्षित है, बड़े किसान नहीं जो छोटे किसान हैं उनकी समस्याओं को उठाने में उनको सक्रिय महारथ हासिल थी । यहीं नहीं श्रीमन्, 91 से ले करके पिछले सत्र तक की अगर सदन की कार्यवाहियां देखी जायं तो लगेगा हर विधायी प्रक्रिया में कहीं न कहीं राम औतार शाक्य जी का नाम जरूर आया है । चाहे संशोधनकर्ता के रूप में और चाहे उस विषय पर अपने विचार प्रकट करने वाले वक्ता के रूप में । यह ठीक है कि हम सब विभिन्न दलों के माध्यम से चुनकर आते हैं मगर यह तय है कि श्री शाक्य जी के निधन से मैंने एक सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति को, एक सर्वश्रेष्ठ मित्र को भी व्यक्तिगत रूप से खोया है । आज उनके निर्वाचन क्षेत्र में, उनके जनपद में, इस सदन में जो रिक्तता, जो शून्य, जो क्षति हुई है वह अपूर्णनीय है । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी अच्छी आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे । उनके शोकसंतृप्त परिवार को, उनके निर्वाचन क्षेत्र को, उनके

मतदाताओं को यह असह्य क्षति सहने की शक्ति दे । आपसे विनम्र अनुरोध करता हूं कि मेरी यह भावान्जलि, मेरी यह शोकसंवेदना सम्बन्धित सभी व्यक्तियों को पहुंचाने का कष्ट करें, धन्यवाद ।

श्री अध्यक्ष–

इस विधान सभा के एक बहुत ही सक्रिय और सजग सदस्य श्री राम औतार शाक्य का दिनांक 24 सितम्बर को अचानक निधन हो गया । पिछले सत्र के समापन पर किसी को इस बात का आभास भी नहीं था कि वह किसी रोग से ग्रसित है और अगले सत्र में हम सब के बीच में नहीं रहेंगे । इस सदन में माननीय नेता सदन, माननीय नेता विपक्ष और अन्य सभी दलों के माननीय नेताओं ने जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं, मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं । श्री शाक्य एक अधिवक्ता की तर्कशक्ति को लेकर, नियमावली के आधार पर अपनी ज्ञानशक्ति का प्रतिदिन ही इस सदन में प्रदर्शन किया करते थे । महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर बल देने का उनका तरीका विलक्षण था और हम सबने यह देखा है कि कोई भी ऐसा विषय जनहित का नहीं बचता था, जिसके बारे में वह अपने विचार न रखते हों । उनके निधन से सदन को क्षति तो हुई ही है, मेरी व्यक्तिगत क्षति भी बहुत हुई है । वर्ष 1991 से मैं उन्हें जानता था । उनके जनपद में मैं एक बार गया था, दौरा करने । पूरे समय तक वह मेरे साथ थे और जनपद की विभिन्न समस्याओं से जिस प्रकार से उन्होंने मुझे परिचित कराया था और जहां-जहां वह जाते थे, लोग उनके पीछे आते जाते थे, इससे मालूम होता था कि श्री शाक्य अपने क्षेत्र के बहुत ही लोकप्रिय जननेता हैं ।

उनके निधन से क्षेत्र को अपार हानि हुई है । वह अनेक शिक्षण संस्थाओं से तथा सहकारिता क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति थे । मैंने उन्हें यहां के अधिष्ठाता मण्डल में रखा था, उसके सदस्य के रूप में भी मैंने उनकी कार्यशैली को देखा है और निश्चित रूप से मैं कह सकता हूं कि वह अपने सभी क्षेत्रों में एक बहुत ही सफल और सार्थक भूमिका अदा करने में सक्षम रहे । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शान्ति दे और उनके परिवार के सदस्यों को उनके निधन से उत्पन्न हानि व दुख को सहन करने की शक्ति दे । आप लोगों ने जो शोकोद्गार उनके सम्बन्ध में प्रकट किये हैं, मैं उन्हें उनके परिवारजनों तक पहुंचा दूंगा । आपसे अनुरोध है कि उनकी आत्मा की शान्ति के लिये 2 मिनट खड़े होकर मौन धारण करें ।

(सभी माननीय सदस्य दो मिनट मौन खड़े हुये)

श्री अध्यक्ष–

कृपया अपना स्थान ग्रहण करें ।

विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सुन्दर सिंह, श्री रामदास रविदास, श्री जगदीश प्रसाद, श्री राम लखन, श्रीमती कुदसिया बेगम, श्री बैजनाथ सिंह तथा श्री लीलबत सिंह के निधन पर शोकोद्गार

श्री अध्यक्ष–

दिनांक 18 जून, 2001 से 20 सितम्बर, 2001 तक इस सदन के 7 पूर्व सदस्यों का निधन हो गया । श्री सुन्दर सिंह का निधन 18 जून, 2001 को 68 वर्ष की अवस्था में हो गया । उनका जन्म 14 सितम्बर, 1933 को ग्राम हुजूरपुर, जिला बहराइच में हुआ था और उन्होंने बी०ए०, एल०एल०बी० तक की शिक्षा ग्रहण की थी । श्री सुन्दर सिंह पहली बार वर्ष 1980 में निर्वाचन क्षेत्र कैसरगंज, जिला

बहराइच से कांग्रेस आई० के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुये थे और वर्ष 1990 में वह विधान परिषद् के सदस्य भी निर्वाचित हुये थे ।

शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने वकालत का पेशा अख्तियार किया था । वह जाने-माने अधिवक्ता थे । ग्राम हुजूरपुर, जिला बहराइच में उन्होंने हाई स्कूल की स्थापना की थी, जिससे उनके शिक्षा प्रेम का पता चलता है । वह वर्ष 1983 में भारत-नैपाल मैत्री संघ के महामंत्री रहे थे । इसके अलावा वह बिजली बोर्ड के सदस्य तथा परिवहन निगम के चेयरमैन भी रहे । उनके जीवन का उद्देश्य सामाजिक एवं आर्थिक असमानता को दूर करना तथा सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिये संघर्ष करना था । उनके निधन से जनपद बहराइच ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी को खो दिया है ।

श्री रामदास रविदास, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पूर्व सदस्य का 12 जुलाई, 2001 को निधन हो गया । वह 97 वर्ष की अवस्था में हमसे बिछड़ गये । श्री रामदास 1952 में निर्वाचन क्षेत्र अकबरपुर (पश्चिम), जिला फैजाबाद से कांग्रेस के टिकट पर सदस्य निर्वाचित हुये थे । वह एक योग्य और कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता थे और अपने क्षेत्र में विकास के लिए सदैव तत्पर रहे । उनके निधन से जनपद अम्बेडकर नगर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया है । श्री जगदीश प्रसाद जी का 15 जुलाई, 2001 को निधन हो गया । वे 68 वर्ष के थे । उनका जन्म 16 जून, 1933 को हुआ था । उन्होंने बी०ए०, एल०एल०बी० तक शिक्षा ग्रहण की थी । वे सर्वप्रथम वर्ष 1969 में निर्वाचन क्षेत्र कादीपुर, जिला सुल्तानपुर से कांग्रेस के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे । उसके बाद वे वर्ष 1980 में निर्वाचन क्षेत्र सिराथू, जिला इलाहाबाद से पुनः विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे । श्री जगदीश प्रसाद जी एक कुशल वक्ता एवं समर्पित राजनीतिज्ञ थे । उन्होंने हरिजनोद्धार क्षेत्र में बहुत कार्य किया था । उन्होंने जिला कबीर महासभा, सुल्तानपुर की स्थापना की तथा इसके प्रधान मंत्री रहे । वे दो अवधियों तक कैन्टोनमेन्ट बोर्ड, इलाहाबाद के सदस्य रहे थे उसकी फाइनेन्स कमेटी के चेयरमैन भी रहे । वे जिला परिषद् इलाहाबाद के सदस्य तथा आदि हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष भी रह चुके थे । वे श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह मंत्रि-मण्डल में मंत्री पद पर भी रहे थे । श्री जगदीश प्रसाद के निधन से जनपद इलाहाबाद ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के ही भूतपूर्व सदस्य श्री रामलखन का 60 वर्ष की अवस्था में 22 जुलाई, 2001 को निधन हो गया । उनका जन्म 20 जनवरी, 1941 को ग्राम लखना, जिला इटावा में हुआ था । उन्होंने हाईस्कूल तक शिक्षा ग्रहण की थी । श्री राम लखन सर्वप्रथम वर्ष 1974 में निर्वाचन क्षेत्र लखना, जिला इटावा से जनसंघ के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे । तत्पश्चात् वे वर्ष 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर पुनः विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे । श्री राम लखन एक कर्मठ एवं योग्य राजनेता थे । वे लखना, जिला इटावा की टाउन एरिया के सदस्य थे । वे स्थानीय हाई स्कूल कमेटी के सदस्य भी रहे । उनकी कीर्तन तथा लोकगीत में विशेष रुचि थी । उद्योग तथा कृषि संबंधी विषयों में भी उनकी विशेष आस्था थी । उनके निधन से जनपद इटावा ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा की भूतपूर्व सदस्य श्रीमती कुदसिया बेगम का 1 अगस्त, 2001 को लखनऊ में निधन हो गया । वे लगभग 92 वर्ष की थी । उनका जन्म 2 अप्रैल, 1909 को लाहौर में हुआ था । उन्होंने बी० ए० तक शिक्षा ग्रहण की थी । श्रीमती कुदसिया बेगम सर्वप्रथम वर्ष 1969 में निर्वाचन क्षेत्र संडीला, जिला हरदोई से कांग्रेस के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुई थीं । तत्पश्चात् वे वर्ष 1977, 1980 तथा 1985 में कांग्रेस के टिकट पर पुनः विधान सभा सदस्य निर्वाचित

हुई थीं । वे वर्ष 1937 से 1952 तक तथा 1958 से 1968 तक उत्तर प्रदेश विधान परिषद् की सदस्य रहीं । वे 1952-56 तक राज्य सभा की सदस्य भी रह चुकी थीं । वे 1945-50 तक संविधान सभा की सदस्या भी थीं ।

श्रीमती कुदसिया बेगम के सार्वजनिक जीवन का प्रारम्भ आल इण्डिया वीमेन्स कांफ्रेंस के सदस्य के रूप में हुआ था । वे उस समय से बराबर महिलाओं के उत्थान में तथा समाज में उन्हें सम्मानपूर्ण स्थान दिलाने में प्रयत्नशील रहीं । वे महिलाओं के लिये खेलकूद, चिकित्सालय, मेटरनिटी होम्स, प्रौढ़ शिक्षा तथा बच्चों के लिये पुस्तकालय, नर्सरी स्कूल आदि के कार्यों में भाग लेती रहती थीं । वे आल इण्डिया महिला हाकी एसोसियेशन की 25 साल तक अध्यक्षा रहीं । वे कई शैक्षिक तथा सामाजिक संस्थाओं की अध्यक्षा रहीं । वे उपसभापति विधान परिषद् 1937-40 तक तथा विधान परिषद् में नेता विरोधी दल भी रही थीं । वे श्री चन्द्रभानु गुप्त एवं श्री त्रिभुवन नारायण सिंह मंत्रि-मण्डल में मंत्री पद पर भी रहीं । वर्ष 2000 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था । श्रीमती कुदसिया बेगम के निधन से प्रदेश ने एक महान समाजसेवी महिला को खो दिया है ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री बैजनाथ सिंह का 4 अगस्त, 2001 को अमेठी, जिला सुल्तानपुर में निधन हो गया । वे 81 वर्ष के थे । उनका जन्म 1920 में ग्राम कोरारी लच्छनशाह, जिला सुल्तानपुर में हुआ था । श्री बैजनाथ सिंह वर्ष 1962 में निर्वाचन क्षेत्र अमेठी, जिला सुल्तानपुर से कांग्रेस के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे । श्री बैजनाथ सिंह ने वर्ष 1942 में महात्मा गांधी द्वारा चलाये गये भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया था जिसके फलस्वरूप वे जेल गये थे । वे जिला बोर्ड के सदस्य रहे थे । वे प्रान्तीय कांग्रेस कमेटी तथा अखिल भारतीय संस्कृत परिषद् के सदस्य भी थे । उन्होंने शिव प्रताप जूनियर हाई स्कूल, अमेठी तथा गांधी इण्टर कालेज कोरारी लक्छनशाह की स्थापना की थी । वे गायन तथा अध्यापन में रुचि रखते थे । श्री बैजनाथ सिंह के निधन से जनपद सुल्तानपुर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री लीलवत सिंह का 20 सितम्बर, 2001 को निधन हो गया, वह 74 वर्ष के थे । उनका जन्म 23 जनवरी, 1927 को हुआ था । उन्होंने एम०ए०, बी०टी० तक शिक्षा ग्रहण की थी । वह 1977 के सामान्य निर्वाचन क्षेत्र अमरोहा, तत्कालीन जिला मुरादाबाद से जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुये थे । वह एक कर्मठ एवं जुझारू नेता थे । वह जिला सहकारी बैंक के 6 वर्षों तक डायरेक्टर रहे तथा गन्ना परिषद्, अमरोहा के एक वर्ष तक डायरेक्टर रहे । उन्होंने एक कालेज में लगभग 18 वर्ष तक अध्यापन कार्य किया था । उन्हें अध्यापन कार्य में तथा कृषि संबंधी विषयों में विशेष लगाव था । उनके निधन से जनपद ज्योतिबाफूले नगर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया ।

मैं इन सभी सातों पूर्व विधान सभा सदस्यों को अपनी ओर से और सदन की ओर से श्रृद्धासुमन अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और इस सदन की ओर से जो शोकोद्गार व्यक्त किये जा रहे हैं, मैं उनको उनके परिवार तक पहुंचा दूंगा और आप सबसे अनुरोध करता हूं कि उनकी आत्मा की शांति के लिए हम सब खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण करें ।

(माननीय सदस्यगण दो मिनट मौन खड़े हुए)

संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यूयार्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर की बहुमंजिली इमारतों तथा वाशिंगटन स्थित रक्षा मुख्यालय पेंटागन पर हुए आतंकवाद हमले की घोर भर्त्सना तथा उक्त हमले में मृत व्यक्तियों, घायलों तथा सम्पत्ति की हुई हानि के संबंध में शोक प्रस्ताव ।

मुख्य मंत्री (श्री राजनाथ सिंह)–

अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं कि यह सदन दिनांक 11 सितम्बर, 2001 को प्रातः काल संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यूनयार्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर की दो बहुमंजिली इमारतों तथा वाशिंगटन स्थित रक्षा मुख्यालय पेंटागन पर हुए आतंकवादी हमले की घोर भर्त्सना करता है तथा उक्त हमले में बड़ी संख्या में मृत व्यक्तियों, घायलों और अपार सम्पत्ति की हानि के प्रति शोक प्रकट करता है तथा मृत व्यक्तियों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता है कि वह उनकी आत्मा को शान्ति दे और उनके संतृप्त परिवारों को यह क्षति सहन करने की शक्ति दे । यह सदन हमले में घायल व्यक्तियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी करता है ।

श्री अध्यक्ष–

क्या, माननीय नेता प्रतिपक्ष इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं ?

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मैं समर्थन करता हूं ।

श्री अध्यक्ष–

जैसा कि सभी को मालूम है कि ऐसे प्रस्ताव पर चर्चा नहीं होती है लेकिन मतदान आवश्यक है । मैं समझता हूं कि यदि आप सब कहें तो इसे सर्वसम्मति से पारित मान लेते हैं और मृतकों की आत्मा की शांति के लिए हम दो मिनट का मौन रखें ।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ ।

(माननीय सदस्यगण दो मिनट मौन खड़े हुए)

श्री अध्यक्ष–

अब हम उठते हैं, कल दिनांक 27 सितम्बर, 2001 को पूर्वाह्न 11.00 बजे पुनः बैठेंगे ।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 11 बजकर 52 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे के लिये स्थगित हो गया)

लखनऊ :
दिनांक 26 सितम्बर, 2001

राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,
सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश ।

पी०एस०यू०पी०–एल० 283 विधान सभा (499)–2003–813 (डी०पी०पी०) ।